



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय पशुपालन	विषय कोड 4 3 0	परीक्षा का माध्यम हिन्दी
-----------------------------------	--------------------------	------------------------------------

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2 5 3 6 4 9 7

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छ	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **01**

ग :- परीक्षा का दिनांक **26 03 2019**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

सपर संकेन्द्रित परीक्षा **52008**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

कुमार *[Signature]*

[Signature] **28/03/19**

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएँ।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा परीक्षक के त मुद्रा

H. YADAV **C.P.**

9450308

2



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 2 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्नोंतर क्रमांक 1

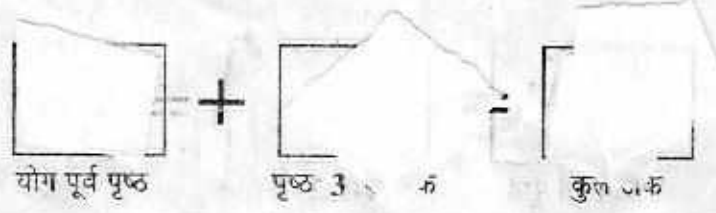
- (i) जीवाणु
(ii) वर्षा से पहले
(iii) गलघोंदू
(iv) फरह, मथुरा
(v) बरबरी

S
E

प्रश्नोंतर क्रमांक 2

- (अ) स्पेन
(ब) मैड्रिड
(स) 150 दिन
(द) कारनाम
(इ) कैरीलीन श्वं अन्वीफिल

3



प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक 3

अ) असत्य

ब) असत्य

स) असत्य

द) स०

ए) सत्य

B
S
E

प्रश्नोत्तर क्रमांक 4

(अ)

(स) सही उत्तर

(a) मुर्गी फार्म की छत

दुप्पर पक्की खपरैल

(b) 100 मुर्गी के चरों के लिए पानी की व्यवस्था

20 - 25 मिटर

(c) शनी खेत

वायरस

(d) ली. वी. एन. डी. वैक्सिन

वर्डफ्लू

(e) कुक्कुट शीतला

छोटे पक्षियों में

4



प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक 5

कतला मछली की विशेषताएँ →

कतला मछली की प्रमुख विशेषताएँ अग्रलिखित हैं -

- 1) कतला मछली पानी की सतह पर रहती है।
- 2) यह जलकुल तन्त्र को चाव से खाती है। यह बड़े आकार की होती है।
- 3) एक वर्ष में इसका वजन 1 किग्रा हो जाता है।

(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 6

सुअर की खाद के गुण

सुअर से प्राप्त खाद के प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं -

- (1) सुअर से प्राप्त खाद में उच्च पोषक तत्व पाए जाते हैं।
- (2) खाद में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशा क्रमशः 0.75%, 0.65%, 0.75% प्रतिशत पाए जाते हैं।
- (3) सुअर से प्राप्त खाद का प्रयोग करके अगले फसल उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

B
S
E

5

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग 4 पृष्ठ पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक 7

दुकाजी नस्ल की बकरियों के नाम

बकरियों की दुकाजी नस्ल के नाम अवलिखित हैं -
(1) जमुनापारी (भारतीय नस्ल में सर्वाधिक दूध देती है)

(2) बीरल

(3) स्मरती

(4) मैवाड़ी

B
S
E

(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 8

साँयलिंग

"हरे चारे वाली फसलों को उगाकर खेत में ही काटकर, पशुओं को खिलाने की विधि या क्रिया को साँयलिंग (Soiling) कहते हैं।"

साँयलिंग के लाभ

(Advantages of soiling)

साँयलिंग के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं -

(1) फसलों को सीधे काट लेने के कारण अगली फसल की तैयारी के लिए समय मिल जाता है।

P.T.O.

6

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पृष्ठ 5

पृष्ठ 6 के अंक

3



प्रश्न क्र.

(2) पशुओं की चारागाह ले जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

(3) पशुओं से प्राप्त खान बोगर एवं मल-मूत्र का उपयोग खाद के रूप में किया जाता है।

(4) खेत की फेन्सिंग (fencing) करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

किस विधि का उपयोग अधिक दूध देने वाले पशुओं के लिए किया जाता है, ताकि अधिक कुच्छ उत्पादन प्राप्त हो।

(5) खेत में वाइ लगाने की आवश्यकता नहीं होती है।

(अथवा) प्रश्नों पर क्रमांक 3

प्रोटीन

प्रोटीन अमीनो अम्ल इकाइयों से मिलकर बने होते हैं। ये अमीनो अम्ल लगभग 24 प्रकार के होते हैं। ये अमीनो अम्ल मुख्यतः कार्बन (C), हाइड्रोजन (H), ऑक्सीजन (O), नाइट्रोजन (N) के बने होते हैं।

प्रोटीन के कार्य

(1) पशु शरीर में प्रोटीन के प्रमुख कार्य हैं, जो कि अनिश्चित हैं \Rightarrow

B
S
E

7



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 7 क अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

- (1) प्रोटीन पशु शरीर के मांस का निर्माण करता है।
- (2) पशु शरीर में रक्त का संचरण करने वाला हीमोग्लोबिन भी प्रोटीन प्रकृति का ही होता है।
- (3) पशुओं की शारीरिक वृद्धि एवं विकास के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है।
- (4) एन्जाइम पाचक रस तथा हार्मोन्स के निर्माण में प्रोटीन सहायता करता है।
- (5) पशु शरीर के खाल एवं मांस उत्पादन में प्रोटीन आवश्यक होता है।
- (6) मादा पशु के गर्भ में पल रहे बच्चे की वृद्धि एवं विकास के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है।

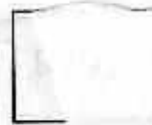
(अथवा)

प्रश्नोत्तर क्रमांक 10

पशु जाँच की विधियाँ

पशु जाँच के लिए कुछ विशेष विधियाँ अपनायी जाती हैं। जिनके आधार पर पशु का विशिष्ट के लिए चयन कर लिया जाता है। ये प्रमुख विधियाँ एवं उनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है -

- 1- वंशावली चयन विधि
- 2- समूह चयन विधि
- 3- संतति परीक्षण विधि



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 8 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

4- पारिवारिक चयन विधि

5- गुणांकन पत्र विधि

4) वंशावली चयन विधि ⇒ जब पशु का बालकवस्था में चयन किया जाता है, इस विधि का प्रयोग किया जाता है। क्योंकि बाल्यावस्था में पशु में उत्पादन क्षमता संबंधी गुण अप्रदर्शित रहते हैं। ऐसी स्थिति में किसान को पशुओं के उत्पादन गुणों या शैक्षिक गुणों के अभिलक्षण तक या लक्ष्य होने तक कंट्रोल करना होता है। परंतु वंशावली साक्ष के आधार पर पशु का चयन कर लिया जाता है।

B
S
E

5) पारिवारिक चयन विधि ⇒ इस विधि द्वारा जो पशु अपने परिवार के सदस्यों से जितना अधिक नजदीक होगा उसमें उत्पादन क्षमता में समानता उतनी ही अधिक होती है। जैसे - माई - बहन के गुणों के आधार पर चयन करना। इस विधि का उपयोग अधिक दुग्ध उत्पादन क्षमता के लिए किया जाता है।

6) गुणांकन पत्र विधि ⇒ यह पशु चयन की एक वैज्ञानिक विधि है। इसमें पशुओं की शारीरिक बनावट का सांख्यिक विवरण रहता है। तथा अंग, प्रत्यांगों का महत्व अंकों द्वारा दर्शाया गया होता है। स्कोर कार्ड में कुल 100 अंक होते हैं। जिस पशु का स्कोर अधिक होता है,

9

$$\boxed{\text{योग पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{पृष्ठ}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न क्र.

उसका चयन कर लिया जाता है।

(अथवा) प्रश्नोंतर क्रमांक 11

पशु चिकित्सा विज्ञान में काम आने वाली
 सामान्य औषधियों के नाम तथा उनके
 सामान्य उपयोग अग्रलिखित हैं -

- | | |
|----------------------------|----------------------|
| (1) सोडियम बार्स कार्बोनेट | (2) <u>सल्फर</u> |
| (3) आयोडीन | (4) अमोनियम क्लोराइड |
| (5) बोरिक एसिड | (6) फिटकरी |
| (7) फिनाइल | (8) बोरैक्स (सुहागा) |

B
S
F

9) मैंगनीशियम सल्फेट (मैंग सल्फ)

1) सोडियम बार्स कार्बोनेट (सोडा-बार्स कार्ब)

उपयोग - (a) यह पशुओं में पेट की अम्लता को
 दूर करने के काम आता है।

(b) इसका उपयोग पशुओं में पाचकता बढ़ाने
 में किया जाता है।

P.T.O.



प्रश्न क्र.

(2)

सल्फर

(a) सल्फर का उपयोग पशुओं में दाढ़, खजली आदि पर पाउडर या मलहम के रूप में किया जाता है।

(3)

अमोनियम क्लोराइड (मोसादर)

(a) इसका ^{उपयोग} पशुओं में सूजन वाले स्थान पर लोशन के रूप में किया जाता है।

B
S
E

(3)

(a) इसका उपयोग पशुओं की श्वास की बीमारी में भी किया जाता है।

(4)

वैरिक एसिड

(a) इसका उपयोग पशुओं के शरीर पर लगे धावों को सुखाने में किया जाता है।

(b) इसका उपयोग पशुओं में घन दूधजनक स्त्रावण के लिए किया जाता है।

(5)

आयोडीन

(a) इसका उपयोग टिंचर आयोडीन बनाने में किया जाता है।

11

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृ. पृष्ठ 11 के अंक 3... अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्रमांक 12

पशुओं की प्रतिफल मौसम से रक्षा न करने के कारण तथा सही ढंग से देखभाल न करने से पशु बीमार हो जाते हैं। बीमार पशु के पहचान के प्रमुख लक्षण अग्रलिखित हैं -

(1) आँख ⇒ बीमार पशु की आँखों की चमक समाप्त हो जाती है, तथा आँखों से कीचड़ व पानी आता है।

(2) कान ⇒ बीमार पशु के कान नीचे होकर नीचे की ओर झटक जाते हैं।

(3) अक्रियशील एवं अप्रसन्न ⇒ बीमार पशु अक्रियशील हो जाता है। तथा अप्रसन्न दिखायी देता है। श्रुस्त हो जाता है।

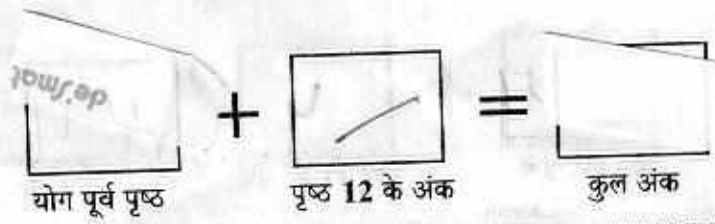
(4) नाड़ी दर, श्वास दर, एवं तापमान ⇒ बीमार पशु का तापक्रम, नाड़ी दर या श्वासन दर असामान्य हो जाते हैं। हृन् की गति धट या बड़ जाती है।

(5) भोजन, एवं जुगाली न करना ⇒ बीमार पशु नियमित अंतराल पर भोजन नहीं लेता है तथा जुगाली करना भी बंद कर देता है।

B
S
E

Lacini

SEC001A



- प्रश्न क्र. (6) कूपन क्षुण ⇒ बीमार पशु का कूपन शुष्क हो जाता है।
- (7) गोबर से दुग्ध ⇒ बीमार पशु के गोबर से दुग्ध आने बमत है।
- (8) नीरस चाल ⇒ बीमार पशु की चाल नीरस दिखायी देती है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक 13

B
S
E

खोआ (Khoa)

" दूध के जल को तीव्र वाष्पीकरण द्वारा निकालकर आंशिक रूप से सुखाकर तैयार किया गया वह दुग्ध पदार्थ जिसमें ठोस पदार्थ 70 - 75 % होता है, उसे खोआ कहते हैं। "

खोआ का संघटन

(Composition of Khoa)

प्रकार	अवयव	प्रकार	प्रतिशत
		माय के दूध से तैयार खोआ	19.5 %
		भैंस के दूध से तैयार खोआ	37 %
(1)	जल		25.5 %
(2)	वसा		26 %


 $+$

 $=$


योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 13 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

अवयव

प्रकार

		माय के द्रव्य से तैयार खोआ	बैस के द्रव्य से तैयार खोआ
(3)	प्रीतिन	19	17.7 %
(4)	दुग्धम	26	22 %
(5)	राख	3.5	3.8 %
(6)	लौहा (ppm)	139 ppm	125 ppm

B
S
E

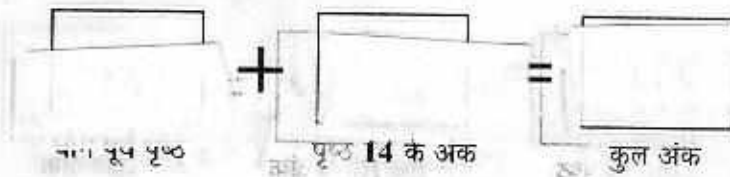
प्रश्नोत्तर क्रमांक 14

कुल्फी

" कुल्फी देशी हिमीकृत दुग्ध पदार्थ है, जिसको खोआर गर द्रव्य का सांद्र करने के पश्चात चीनी आदि मिलाकर प्राप्त किया जाता है। "

कुल्फी बनाने का फ्लोचार्ट

- 1) शुद्ध एवं पूर्ण बैस का द्रव
- ↓
- 2) आधा भाग गर्म करना
- ↓
- 3) 20% जैसे चीनी मिलाना तथा 0.5% शीश पदार्थ (बादाम, काजू मिलाना)
- ↓



प्रश्न क्र.

- 4) मिश्रण को गर्म करना
- 5) मिश्रण को ठंडा करना
- 6) मिश्रण को शंकुओं में भरना
- 7) शंकुओं को नमक तथा लवण के मिश्रण में प्रशीतन कुल्फी तैयार

USE

① द्रव्य ⇒ कुल्फी बनाने के लिए शुद्ध, ताजे द्रव्य रखे जायें।

② गर्म करना ⇒ चयनित द्रव्य के अच्छे भाग को गर्म किया जाता है। ताकि जीवाणु आदि नष्ट हो जाए।

③ चीनी व अन्य पदार्थ मिलाना ⇒ द्रव्य में 20% चीनी तथा 0.5% शेष अन्य पदार्थ जैसे - काजू आदि मिलाए जाते हैं।

④ मिश्रण को गर्म करना ⇒ मिश्रित द्रव्य को गर्म किया जाता है।

⑤ मिश्रण को ठंडा करना ⇒ गर्म किए गए द्रव्य के मिश्रण को ठंडा किया जाता है।



प्रश्न क्र.

- (6) मिश्रण को शंकुओं में भरना \Rightarrow ठोड़े किए गए मिश्रण को शंकुओं में भरा जाता है।
- (7) प्रशीतन \Rightarrow मिश्रण से बने शंकुओं का नमक तथा लवण में मिश्रण में प्रशीतन किया जाता है।
- (8) कुल्फी तैयार \Rightarrow उपर्युक्त चरणों के पश्चात् कुल्फी तैयार हो जाती है।

प्रश्नोत्तर क्रमांक 15

B
S
E

संघनित दूध

" पूर्ण अथवा सैबरा दूध से अधिकांश जल की मात्रा को वाष्पीकृत कर जो गाढ़ा दूध प्राप्त होता है उसे संघनित दूध (condensed milk) कहते हैं।"

संघनित दूध की विशेषताएँ

(Characteristics of Condensed milk)

संघनित दूध की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- (1) गाढ़ा दूध \Rightarrow संघनित दूध एक गाढ़ा पदार्थ होता है। इसमें गाढ़ापन होता है।
- (2) मीठा स्वाद \Rightarrow संघनित दूध स्वाद में मीठा होता है। जो कि इसमें उपस्थित चीनी के कारण आता है।



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 16 के अंक

=



कृपया ...



प्रश्न क्र.

(3) वसा की माता \Rightarrow संघनित दूध में वसा की प्रतिशत मात्रा 9.1% होती है।

(4) अधिक समय तक संरक्षित \Rightarrow संघनित दूध की अपेक्षा अधिक समय तक शुद्ध दूध की संरक्षित करके रखा जा सकता है। इसका उपयोग लम्बे समय किया जा सकता है।

(5) कम स्थान में अधिक दूध \Rightarrow संघनित दूध शू ऐसा पदार्थ है, जिसे कम स्थान में अधिक मात्रा में रखा जा सकता है।

(6) शिशु आहार में उपयोगी \Rightarrow संघनित दूध का उपयोग नवजात शिशु के आहार-पोषण में किया जाता है।

संघनित दूध की एक विशेषता यह भी है कि इसके संघनित दूध में जब मिलाकर ले लाने दूध की शक्ति प्रयोग में लाया जा सकता है।

B
S



प्रश्न क्र.

(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 16

मुर्गीपालन

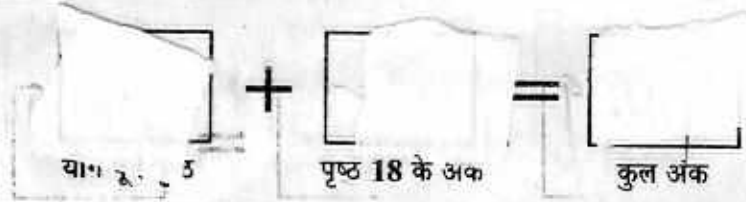
" मुर्गियों की उच्चतम नस्लों को मॉस उत्पादन, अण्डा उत्पादन आदि उद्देश्य से उचित पोषण देकर पालन करना ही 'मुर्गीपालन' कहलाता है। "

मुर्गीपालन का महत्व

मुर्गीपालन का भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख महत्व है, जो कि अनिश्चित है -

- (1) मुर्गीपालन एक अधिक पूँजी एवं अधिक स्थान की आवश्यकता नहीं होती है।
- (2) कुलीर उद्योग ⇒ भारतीय अर्थव्यवस्था में मुर्गीपालन एक विशेष कुलीर उद्योग, खंघों के रूप में चलाया जा रहा है।
- (3) अधिक प्रोटीन की प्राप्ति ⇒ अण्डों में प्रोटीन का अपार अण्डा 33% होता है। यदि अण्डों की प्रोटीन का उत्पादन व्यय निम्नला जाय तो दालों से प्राप्त प्रोटीन से भी सस्ती पड़ती है।
- (4) शीघ्र आय की प्राप्ति ⇒ इस व्यवसाय से अन्य व्यवसाय की अपेक्षा शीघ्र ही आय प्राप्त होने लगती है।

B
S
E



प्रश्न क्र.

(इ) उच्च पोषक तत्व युक्त खाद की प्राप्ति \Rightarrow कुर्वियों से

में उच्च पोषक तत्व पाए जाते हैं। जैसे - नाइट्रोजन 3%, फॉस्फोरस 2% तथा पोटैश 2%।

(ह) संकर नस्लों की उपलब्धता \Rightarrow अब भारत में भी

नस्ल उपलब्ध होने लगी है। जो कि यहाँ कि जलवायु में भी अककल रही है।

(क) कम परिश्रम \Rightarrow इस व्यवसाय में अधिक कड़े परिश्रम की आवश्यकता नहीं होती है। अतः महिलाएँ एवं बच्चे भी इस कार्य को कर सकते हैं।

(ख) बैरोजगार की प्राप्ति \Rightarrow इस व्यवसाय से गाँव में बैरोजगारी की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।

(ग) छोटे किसान इसे सहायक लघु उद्योग के रूप में अपना सकते हैं।

(घ) दैनिक उपयोग से बचा अवशेष जैसे - कचरा, अन्न, सब्जी आदि कुक्कुरों को आहार के रूप में दिया जा सकता है।

B
S
B



योग पूर्व पृष्ठ



पृष्ठ 19 के अंक



(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 17

विटामिन्स

" ऐसे कार्बनिक यौगिक जिनकी आवश्यकता शरीर को अत्यन्त कम मात्रा में होती है परंतु इनकी कमी से अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न हो सकते हैं, विटामिन कहलाते हैं।"

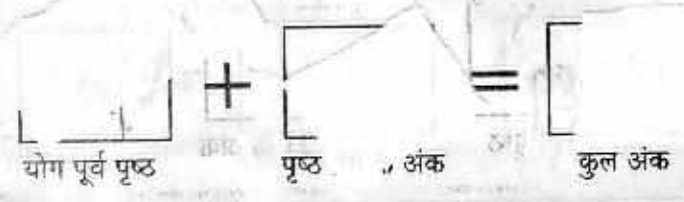
विटामिन्स के कार्य

- (1) विटामिन A ⇒ (1) यह शारीरिक वृद्धि के लिए आवश्यक होता है।
 (2) यह नेत्र तंत्रिका तंत्र के लिए आवश्यक होता है।
 (3) यह मुर्गियों की Roup (रूप) नामक बीमारी से रक्षा करता है।

- (2) विटामिन B ⇒ (1) यह कुक्कुटों की कृष को बढ़ाता है।
 (2) यह अंतर्गों की वृद्धि करता है।

- (3) विटामिन C ⇒ (1) यह मुर्गियों की शारीरिक वृद्धि व विकास के लिए आवश्यक होता है।
 (2) यह मुर्गियों की स्पर्डी रोग से रक्षा करता है।

BS E



प्रश्न क्र.

(4) विटामिन D ⇒ (1) यह हड्डियों तथा अण्डों की कवच (shell) का निर्माण करता है।
 (2) यह कैल्शियम व फॉस्फोरस के अवशोषण में सहायता करता है।

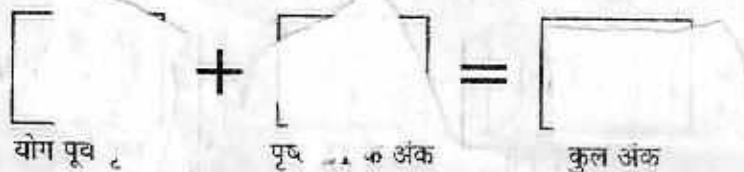
(5) विटामिन E ⇒ (1) यह कुक्कुटों में जन्मोगों की क्रियाशीलता को बनाए रखता है।
 (2) यह कुक्कुटों की केजीपिक नामक बीमारी से रक्षा करता है।

F
S
E

(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 18

बाह्य परजीवी
 (Ecto Parasites)

ऐसे परजीवी, जो अन्य जीवों के शरीर के बाहर तथा के ऊपर या पंखों के नीचे रहकर अपना जीवन निवृत्त करते हैं, उन्हें 'बाह्य परजीवी' कहते हैं। ये कुक्कुटों को मारने का कार्य करते हैं। जिससे कुक्कुट कमजोर हो जाते हैं।



प्रश्न क्र.

वाह्य परजीवी की रोकथाम के उपाय

कुक्कुटों को वाह्य परजीवियों से बचाने के प्रमुख उपाय किश जते हैं। जो कि अग्रलिखित हैं -

(1) पृथक्करण ⇒ रोगी कुर्तियों को स्वस्थ कुर्तियों से ~~बीप्र~~ ही पृथक् कर केना चाहिए। इससे वाह्य परजीवी का संक्रमण नहीं होता है।

(2) कुक्कुटशाला की सफाई ⇒ कुक्कुट शाला की नियमित सफाई से शप से कीटनाशक ताकि स्थान ~~बी~~ - सफाई करनी चाहिए। संक्रमित रहे।

(3) संकुचित आहार ⇒ कुक्कुटों को संकुचित आहार देना चाहिए।

(4) गंधक का छिड़काव ⇒ कुक्कुट शाला में 100 वर्ग फीट ~~बी~~ - बिछानी के हिसाब से 30 किलोग्राम गंधक का छिड़काव किया जाता है।

(5) झना से पीटाई ⇒ कुक्कुटशाला की दीवारों को ~~बी~~ - झना से पीतना चाहिए ताकि दीवार पर चिपके परजीवी नष्ट हो जाय।

(6) कुक्कुटों की शारीरिक सफाई ⇒ कुक्कुटों की नियमित शप से शारीरिक सफाई

B
S
E



प्रश्न क्र.

कीटनाशक से करनी चाहिए।

- (7) स्वच्छ स्थान पर रखना ⇒ मुर्गियों को स्वच्छ स्थान, प्रकाश युक्त तथा हवादार स्थान में रखना चाहिए।
- (8) कुष्कुलों को पीने के लिए स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था करना चाहिए।

(अथवा) प्रश्नोत्तर क्रमांक 13

B
S
E

रखड़ी (Rajji)

"मीठा संचित घृण कुषु पदार्थ जिसमें गाढ़े फ्रीम की कई परतें होती हैं, उसे रखड़ी कहते हैं।" वनों में क्वोर्टेड फ्रीम की परतें होती हैं।

रखड़ी का औसत संगठन

	अवयव	प्रतिशत मात्रा
1)	जल	40 %
2)	वसा	20 %
3)	प्रोटीन	30 %
4)	लैक्टोज	10 %

23

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ एक कु. अंक



प्रश्न क्र.	अवयव	प्रतिशत मात्रा
(5)	अस्म	2 %
(6)	शक्कर	20 %

B
S
E